सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 12 ● अंक 142 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार 29 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।
–धीरूभाई अंबानी

16 टी20 सीरीज के बाद रुका... 7 | नागरिकता को लेकर विदेश मंत्रालय... 3 | आस्था के नाम पर धन की राजनीति... 2

आरोपों के मॉनसून में भीग गयी बीजेपी

फंस गये भाजपाई छत्रप देते नहीं पड़ रहा जवाब

» असम, बिहार, महाराष्ट्र, यूपी, मध्य प्रदेश से उठ रहे सुलगते सवाल

» यूपी में चंदा चोरी, एमपी में जमीन आवंटन, बिहार में कानून व्यवस्था, असम में पासपोर्ट मामला और महाराष्ट्र में सियासी पार्टनरशिप पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बारिश सिर्फ पानी की नहीं होती कभी बारिश में सवाल बरसते हैं कभी आरोपों के बादल घिर आते हैं और कभी जनता के भरोसे पर संदेह की बूंदें टपकने लगती हैं। इस वक्त भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में राजनीति का मौसम कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। हर सुबह एक नया सवाल दोपहर तक एक नया आरोप और शाम होते होते एक नया विवाद सामने आ ही जाता है। देश का राजनीतिक आसमान इन दिनों लगातार गरज रहा है।

असम में मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा के परिवार को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में राम मंदिर में चंदा चोरी से जुड़े आरोप थमने का नाम नहीं ले रहे। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव पर अपने रिश्तेदारों को प्राइम भूमि एलाट किये जाने के संगीन इल्जामों से महौल गर्म हैं। बिहार में सीएम सम्राट चौधरी के शासन में भरत तिवारी लाइव एनकाउंटर पर रायता फैल चुका है उनसे कानून व्यवस्था और चर्चित घटनाओं को लेकर लगातार जवाब मांगे जा रहे हैं। महाराष्ट्र में सहयोगियों के बदलते समीकरण सत्ता की सियासी परीक्षा ले रहे हैं। हर राज्य की कहानी अलग है हर विवाद का विषय अलग है और हर मामले की अपनी कानूनी और राजनीतिक पृष्ठभूमि है। विपक्ष इन बिखरे हुए आरोपों को एक राजनीतिक धागे में पिरो कर आरोपों की माला बना कर पीएम मोदी मोदी के गले में पहनाने की कोशिश में जुट गया है। यही इस दौर की सबसे बड़ी सियासी लड़ाई है। क्या यह महज चुनावी नैरेटिव गढ़ने की रणनीति है? या सचमुच सत्ता के सामने जवाबदेही के ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं जिन्हें अब टाला नहीं जा सकता? क्या यह सिर्फ़ अलग अलग राज्यों की अलग अलग घटनाएं हैं? या फिर भारतीय राजनीति एक ऐसे आरोपों के मानसून में प्रवेश कर चुकी है जहां हर नई सुबह सत्ता से एक नया जवाब मांग रही है?

दूसरी गरज चमकी उत्तर प्रदेश में

राम के नाम पर राजनीति या राजनीति के नाम पर राम? देश की सबसे बड़ी आस्था सबसे बड़ा मंदिर और उसी मंदिर को लेकर राजनीतिक आरोप। आरोप भी इतने गंदे की पूछिये मत राम मंदिर के दान और प्रबंधन पर उठे सवालों का सिलसिला रूकने का नाम ही नहीं ले रहा। विपक्ष गंभीर मुद्रा में इस विषय से उठे सवालों के जवाब जनना चाह रहा है। समाजवादी पार्टी सबसे आगे।

गौरतलब है कि इससे पूर्व में मंदिर निमार्ण के दौरान भी भ्रष्टाचार के सनसनीखेज आरोप सपा नेता पूर्व विधायक पवन पाण्डेय ने लगाये थे लेकिन उन सवालों के जवाब भी अभी तक नहीं मिले और भ्रष्टाचार का नया अध्याय खुल गया।

आरोपों का पहला बादल असम से

आरोपों का पहला बादल असम से उठा है। विपक्ष मुख्यमंत्री के परिवार को लेकर पासपोर्ट और नागरिकता जैसे मुद्दों पर सवाल उठा रहा है। आरोप लगाए जा रहे हैं। जवाब भी दिए जा रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल अभी भी वहीं खड़ा है कि अगर आरोप निराधार हैं तो पूरी पारदर्शिता के साथ उनका जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा। आखिर इन आरोपों का अंत क्यों नहीं हो रहा। राजनीति में कभी-कभी आरोप से बड़ा होता है आरोपों का अधूरा जवाब। और यही असम में हो रहा है। विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सीएम सरमा के परिवार को पासपोर्ट और दूसरे गंभीर आरोपों से घेरा था तब जांच की बात कहीं गयी थी। अब सवाल उस जांच पर भी पहुंच रहे हैं। जनता जवाब मांग रही है कि मामाल सूबे के शीर्ष व्यक्ति से रिलेट होने के चलते जांच में देरी हो रही है। क्योंकि नजीरे ऐसी बहुत सही है जहां विपक्षी नेताओं पर आरोप लगते ही कार्रवाई हो रही है और सत्ता पक्ष से जुड़े आरोपों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

तीसरी बिजली मध्य प्रदेश में गिरी

जमीन सिर्फ मिट्टी नहीं होती सत्ता की नीयत भी मापती है। ज़मीन का हर टुकड़ा सिर्फ़ रजिस्ट्री नहीं होता वह सरकार की विश्वसनीयता का पैमाना भी बन जाता है। मध्य प्रदेश में विपक्ष मोहन सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने प्रभावशाली लोगों को जमीन आंवाटन में लाभ पहुंचाया है। लार्भार्थियों में सीएम मोहन यादव के करीबी रिश्तेदार भी शाामिल है। जबकि सरकार कह रही है कि सब कुछ नियमों के मुताबिक हुआ। इस पूरे प्रकरण ने सरकार की छवि को दागदार बना दिया है और जनता इस मामले में सच जानना चाहती है कि वह क्या है।

चौथा मोर्चा बिहार

बिहार में कानून-व्यवस्था का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में है। चर्चित तिवारी एनकाउंटर के बाद सत्ता और विपक्ष आमने-सामने हैं। एक ओर सरकार और पुलिस इस कार्रवाई को कानून के दायरे में हुई पुलिस कार्रवाई बताकर अपनी पीठ थपथपा रही है वहीं विपक्ष पूरे घटनाक्रम पर गंभीर सवाल उठा रहा है और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। बिहार की राजनीति में यह बहस केवल एक एनकाउंटर तक सीमित नहीं है। विपक्ष लगातार दावा कर रहा है कि राज्य में अपराध की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इस एनकाउंटर में बागेश्वर धाम की एंट्री के बाद इस घटना का राष्ट्रीयकरण हो चुका है। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी बैकफुट पर है और उन्हें जवाब देते नहीं बन रहा। पूरा प्रकरण लाइव होने से और भी ज्यादा सरकार की फजीहत हो रही है।

पांचवीं चुनौती महाराष्ट्र से मिल रही

महाराष्ट्र की राजनीति में बाउंसर नहीं गुगली चल रही है। बाहर की तरफ जाती हुई राजनीति कब भीतर घुस जाए पता नहीं। फडणवीस सरकार को लेकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की ताजा टिप्पणी ने राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है। वहीं विपक्ष लगातार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों की नजर केवल विपक्ष पर नहीं बल्कि सत्ता पक्ष के भीतर के समीकरणों पर भी टिकी है। सहयोगी दलों की नाराजगी की चर्चाएं अलग अलग नेताओं के सार्वजनिक बयान और समय समय पर सामने आने वाली असहमतियों की खबरें विपक्ष को यह कहने का मौका देती हैं कि सरकार की सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं बल्कि अपने ही कुनबे का संतुलन है। गठबंधन की सरकारें विश्वास के धागों से चलती हैं। जब वह धागे मजबूत होते हैं तो बड़े से बड़ा राजनीतिक तूफान भी सरकार का कुछ नहीं बिगाड़ पाता। लेकिन यदि उन्हीं धागों में गांठें पड़ने लगें तो मामूली राजनीतिक झटका भी बड़े संकट का संकेत बन सकता है। राजनीति में खामोशी भी कई बार बयान से ज्यादा मुखर होती है। सहयोगियों की फीकी पड़ती मुस्कान मंच पर घटती सहजता और सार्वजनिक मंचों से आने वाले अलग-अलग सुर विपक्ष के लिए नए सवाल गढ़ने का अवसर बन जाते हैं। ऐसे में विपक्ष को हर दिन नया हमला करने की जरूरत भी नहीं पड़ती सत्ता के भीतर की हलचल ही बहस का विषय बन जाती है।

आस्था के नाम पर धन की राजनीति कर रही भाजपा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख का नया नारा- चोर-चोर सौतेले भाई जिन्होंने चुराई राम की पाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का मंदिर चंदा चोरी मामले में भाजपा सरकार पर हमला जारी है। सपा प्रमुख ने प्रयागराज में भाजपा पर आस्था के नाम पर धन की राजनीति करने का आरोप लगाया और एक नया नारा जिन्होंने चुराई राम की पाई उछाला है। उन्होंने अयोध्या दान पेटी में कथित घोटाले को भाजपा की बड़ी चोरी करार देते हुए कहा कि भगवान ने खुद उनका सच सामने ला दिया है।

अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा विपक्ष पर किए गए हमलों का करारा जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी आस्था के नाम पर सिर्फ धन और डोनेशन की राजनीति कर रही है। अखिलेश यादव ने इस पूरे मामले पर चुटकी लेते हुए एक नया और मजेदार नारा भी उछाला। उन्होंने कहा, चोर-चोर सौतेले भाई, जिन्होंने चुराई राम की पाई, देखो जा रहा वो भाजपाई जिसने खाई राम की पाई सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग हमेशा दूसरों पर झूठे आरोप लगाते थे, आज भगवान ने खुद उनकी इस बड़ी चोरी को पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि जो लोग हमेशा नेशन फर्स्ट की बातें करते थे, आज उनके एक्शन से लग रहा है कि उनके लिए डोनेशन फर्स्ट ही सब कुछ बन चुका है। अखिलेश ने साफ किया कि समाजवादी लोग भी सनातन धर्म की रक्षा चाहते हैं, लेकिन इसकी आड़ में कोई गोरखधंधा या खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीजेपी के शब्दकोश में न धर्म बचा है, न शर्म

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सपा प्रमुख ने अयोध्या की दान पेटी में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा, क्या कोई सोच भी सकता था कि लोगों की अटूट श्रद्धा और आस्था के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ होगा? यह पूरी तरह इनकी चतुराई और चालबाजी है।

अयोध्या के सीसीटीवी फुटेज सामने आने चाहिए

अखिलेश ने मांग की कि अयोध्या के सीसीटीवी फुटेज सामने आने चाहिए ताकि जनता को पता चले कि कितनी बार कैमरों को बंद किया गया था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब तो लोग कह रहे हैं कि सीसीटीवी का असली मतलब ही चंदा चोरी, चढ़ावा चोरी हो गया है। यह बात गांव-गांव तक फैल चुकी है और गरीब महिलाएं अब पूछ रही हैं कि जब चढ़ावे की ही चोरी होनी है, तो हम दान क्यों दें?

सीएम योगी के दौरों पर कसा तंज

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरों पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सीएम साहब वहां जाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहे थे और बार-बार मीडिया में गिनवाते थे कि वे कितनी बार रामलला के दर्शन कर चुके हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि उनके इतने दौरों के बाद भी उन्हें वहां हो रही जमीनी हकीकत और घपले की कोई जानकारी नहीं मिली। इसी को कहते हैं, चिराग तले अंधेरा। अखिलेश ने आखिर में कहा कि अगर मुख्यमंत्री को अपनी नाक के नीचे हो रहे इस स्कैम की खबर नहीं थी, तो इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य की तहसीलों, थानों और बाकी सरकारी दफ्तरों में भ्रष्टाचार किस कदर नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गया होगा।

मोदी व योगी चुप क्यों हैं : प्रियांक खरगे

कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने राम मंदिर चंदा मामले में कथित हेराफेरी को लेकर बीजेपी की आलोचना की और सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले पर चुप क्यों हैं। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि अब प्रधानमंत्री की आवाज़ कहाँ है? अब योगी आदित्यनाथ की आवाज़ कहाँ है? उन्होंने कहा था कि भगवान राम के भक्तों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ न करें। क्या इसमें कांग्रेस या सपा (समाजवादी पार्टी) शामिल थी? आप लोगों की आस्था की रक्षा करने में नाकाम रहे। ये वही लोग हैं जिन्होंने भगवान राम के नाम पर लूट-खसोट की है। ये वही लोग हैं जो धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं।

कमलनाथ के लापता विधायक वाले पोस्टर से गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की राजनीति में सोमवार को उस समय नया मोड़ आ गया, जब छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम जैतपुर में विधायक एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को लेकर लगाए गए पोस्टर चर्चा का विषय बन गए। गांव में कई स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कमलनाथ को लापता विधायक बताते हुए उनके क्षेत्र में नहीं आने और जनता की समस्याओं से दूरी बनाने के आरोप लगाए गए हैं। पोस्टर सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है और भाजपा-कांग्रेस के बीच एक बार फिर जुबानी जंग शुरू होने के आसार बन गए हैं।

जानकारी के अनुसार पोस्टरों में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र इन दिनों कई समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन विधायक कमलनाथ जनता के बीच दिखाई नहीं दे रहे हैं। खासकर पेयजल संकट, ग्रामीण क्षेत्रों में अधूरी व्यवस्थाएं और बारिश की कमी के कारण बढ़ती परेशानियों को लेकर भाजपा ने कमलनाथ को निशाने पर लिया है।

कांग्रेस के गढ़ में भाजपा का राजनीतिक संदेश

छिंदवाड़ा लंबे समय से कमलनाथ और कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। ऐसे में उनके ही विधानसभा क्षेत्र में लापता विधायक के पोस्टर लगना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह केवल पोस्टर नहीं बल्कि भाजपा का एक राजनीतिक संदेश है, जिसके जरिए वह यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि अब कांग्रेस का प्रभाव कमजोर पड़ रही है और जनता जवाब मांग रही है।

पानी के संकट को बनाया मुद्दा

भाजपा नेताओं का कहना है कि जिले के कई हिस्सों में जलसंकट गहराने लगा है। बारिश का इंतजार कर रहे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या बढ़ती जा रही है। कई गांवों में लोग पानी के लिए परेशान हैं, लेकिन क्षेत्र के विधायक होने के बावजूद कमलनाथ इस मुद्दे पर सक्रिय नजर नहीं आ रहे हैं। भाजपा का दावा है कि जनता की आवाज उठाने और क्षेत्रीय समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पोस्टर लगाए गए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले बसपा ने की मोर्चेबंदी

» यूपी के कई शहरों में करेगी शक्ति प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी बहुजन समाज पार्टी ने अपने कार्यकर्ता सम्मेलनों के जरिये पैठ बनानी शुरू कर दी है। अयोध्या और अकबरपुर में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलनों के बाद अब सहारनपुर और सुल्तानपुर में इसका आयोजन होगा। इन सम्मेलनों के जरिये संगठन और कैडर को एकजुट करने के साथ प्रत्याशियों का चयन भी किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने तक प्रदेश के सभी जिलों में इसका आयोजन प्रस्तावित है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अयोध्या और अकबरपुर में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं में नई जान फूंकी है। इससे पार्टी की दूसरी पंक्ति के नेताओं की ताकत भी बढ़ी है। जिन उम्मीदवारों को टिकट देने पर विचार किया जा रहा है, उनको सम्मेलन में भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी वजह से अब एक जुलाई को सहारनपुर और 17 जुलाई को सुल्तानपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर पार्टी कार्यकर्ता यूपी में चुनावी माहौल बनाने के लिए केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद को जिम्मेदारी देने की मांग कर रहे हैं। आकाश को यूपी और उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है।

मणिकम टैगोर तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की कि कांग्रेस सांसद बी. मणिकम टैगोर को तत्काल प्रभाव से तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के हस्ताक्षर वाली एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस नियुक्ति की पुष्टि की।

बयान में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने बी मणिकम टैगोर को तत्काल प्रभाव से तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने राज्य इकाई के निवर्तमान प्रमुख के. सेल्वापेरुन्थागाई के योगदान की भी सराहना की। यह संगठनात्मक बदलाव तमिलनाडु में बड़े राजनीतिक बदलाव के साथ हुआ है, क्योंकि उसी दिन मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस से आधिकारिक तौर पर अपना समर्थन वापस ले लिया।

यूनिफॉर्म सिविल कोड देश के हित में नहीं : कासमी

» बंगाल में यूसीसी का किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में पेश होने वाले यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल को लेकर कोलकाता के इमाम मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने अपनी बात रखी है। उन्होंने यूसीसी का विरोध करते हुए कहा, यूनिफॉर्म सिविल कोड न तो इस देश के हित में है और न ही यहां के लोगों के हित में है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत में यूसीसी लागू होने से किसी भी एक कम्युनिटी को कोई फायदा हो रहा है, तो कृपया उसे सामने लाया जाए और बताया जाए।इमाम ने कहा कि अगर इससे मुस्लिमों का नुकसान होता लेकिन हमारे हिंदू भाई-बहनों या दूसरी कम्युनिटीज का फायदा होता, तो भी इसे एक बार को स्वीकार किया जा सकता था। लेकिन किसी एक खास कम्युनिटी को टारगेट करके या उसे ध्यान में रखकर कोई कानून बनाना बिल्कुल भी सही नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लैंड जिहाद और लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने के प्रस्ताव पर भी इमाम मौलाना मोहम्मद शफीक कासमी ने खुलकर अपनी राय दी। उन्होंने सरकार को एक सीधा मैसेज देते हुए कहा, मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि इस पूरे मामले पर बहुत ही शांत दिमाग से और बिना किसी धार्मिक या सांप्रदायिक पक्षपात के सोचने की जरूरत है, चाहे मामला लव जिहाद% का हो या किसी और तरह के जिहाद का। उन्होंने कहा कि सरकार के पास कानून बनाने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए। इमाम कासमी ने कानून की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए एक बड़ा तर्क दिया। उन्होंने पूछा, अगर कोई हिंदू महिला किसी मुस्लिम पुरुष से शादी करती है, तो उसे तुरंत लव जिहाद का नाम दे दिया जाता है, लेकिन तब क्या होता है जब कोई हिंदू पुरुष किसी मुस्लिम महिला से शादी करता है? क्या उस स्थिति के लिए भी ऐसा ही कानून बनाया जाएगा, और क्या उसमें भी बिल्कुल वही सजा दी जाएगी? उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर दोनों ही मामलों में सजा और कानून पूरी तरह से एक समान रहते हैं, तो सरकार शौक से ऐसा कानून आगे बढ़ा सकती है, इस पर उन्हें या किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी।

नागरिकता को लेकर विदेश मंत्रालय के बयान पर मचा घमासान

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट को नहीं माना भारतीयता की पहचान

- कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी से लेकर पूरे विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा
- सोशल मीडिया पर जमकर हो रही विदेश मंत्रालय की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार के एक और फैसले ने विवाद फैला दिया। विदेश मंत्रालय ने भारतीय पासपोर्ट को सिर्फ यात्रा का दस्तावेज माना है इसे नागरितकता का प्रमाध पत्र मानने से इंकार कर दिया है। उसके इस बयान के बाद से सियासी बवाल मच गया है। जहां विपक्षी पार्टियों ने मोदी सरकार को घेरा है तो सोशल मीडिया पर यह चलने लगा है कि आधार कार्ड नागरिकता नहीं पासपोर्ट नहीं तो फिर किससे साबित होगी भारतीयता। वहीं एकबार इसी बहाने एनआरसी भी बोतल से बाहर आ गया।

भारतीय नागरिकता से संबंधित दस्तावेजों को लेकर हो रहे विवाद पर कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की तो बीजेपी ने उसपर एनआरसी वाला पलटवार कर दिया है। एकमात्र भारतीय पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं माने जाने को लेकर विदेश मंत्रालय का बयान क्या आया, कांग्रेस भी सोशल मीडिया पर चल रहे विवाद में कूद पड़ी। लेकिन, यहां विपक्षी पार्टी को सत्ताधारी बीजेपी की ओर से करारा जवाब दिया गया है। इस फैसले की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हो रही है। कई लोगों का कहना है कि पासपोर्ट पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा व्यापक पृष्ठभूमि जांच के बाद जारी किया जाता है- जिसमें किसी व्यक्ति की आवासीय स्थिति का पुलिस द्वारा सत्यापन शामिल है और यह स्पष्ट रूप से धारक को एक भारतीय के रूप में पहचानता है।

क्या गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किए जा सकते : आदित्य ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने पूछा कि क्या सरकार का यह रुख कि गैर-भारतीयों को भी पासपोर्ट जारी किए जा सकते हैं, विदेशी राष्ट्रों के इस दस्तावेज पर भरोसे को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिबल भी उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने तब पूछा था कि नागरिकता का प्रमाण कौन सा दस्तावेज है। पासपोर्ट जारी करने से संबंधित 1967 के तहत

तकनीकी रूप से ये दस्तावेज गैर-नागरिकों को भी दिए जा सकते हैं। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने 2013 के एक फैसले में भी यही बात कही थी और यह माना था कि कानून गैर-नागरिकों को पासपोर्ट जारी करने की अनुमति देता है। इसलिए केवल पासपोर्ट का होना नागरिकता का 'निर्णायक' या 'स्पष्ट' प्रमाण नहीं माना जा सकता। नागरिकता अभी भी एक पुराने कानूनए नागरिकता अधिनियम, 1955 - द्वारा शासित विषय है। यह वह कानून है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता की स्थिति स्थापित करने के लिए किया जाता है।

भारतीय नागरिकता को लेकर क्यों शुरू हुआ विवाद

दरअसल, 14वें पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि पासपोर्ट 'प्राथमिक तौर पर एक यात्रा दस्तावेज है' और यह भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं है। नागरिकता और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी बहस की वजह से यह एक नया मुद्दा बन गया। इसको लेकर खूब विवाद शुरू हो गया। इसके बाद सरकार ने पासपोर्ट एक्ट, 1967 की धारा 20 के तहत स्पष्टीकरण भी जारी किया, जिसमें गैर-नागरिकों के लिए भी पासपोर्ट जारी करने की व्यवस्था है।

अपने ही दस्तावेजों को नकार रही सरकार : नासीर

कांग्रेस सांसद और सीडब्ल्यूसी के सदस्य सैयद नासीर हुसैन ने भारतीय नागरिकता से संबंधित दस्तावेजों को लेकर एक अखबार की रिपोर्ट को शेयर करते हुए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की है। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद ने एक्स पर मोदी सरकार के खिलाफ आरोप लगाते हुए लिखा, 'नागरिकता के प्रमाण के तौर पर मोदी सरकार पहचान के लिए अपने ही महत्वपूर्ण

दस्तावेजों की प्रमाणिकता को अमान्य ठहरा रही है। आधार नहीं। पैन कार्ड नहीं...वोटर आईडी नहीं, भारतीय पासपोर्ट नहीं। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार जवाब दे। अगर भारतीय पासपोर्ट नहीं करेगा तो और कौन दस्तावेज कर सकता है।'

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) क्या है

एनआरसी मूल रूप भारत के कानूनी नागरिकों का एक आधिकारिक रजिस्टर है। इसमें उन सभी लोगों की डेमोग्राफिक जानकारी शामिल होती है, जो भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत भारत की नागरिकता रखने की योग्यता रखते हैं। पहली बार यह रजिस्टर 1951 की जनगणना के तुरंत बाद तैयार किया गया था। असम भारत का एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां अब एक अपडेटेड एनआरसी तैयार है। भारत में इस समय राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी देशव्यापी एनआरसी लागू नहीं है।एनआरसी पर कांग्रेस का दो तरह का स्टैंड है।असम के एनआरसी का तो यह समर्थन करती है और इसका श्रेय लेने की भी कोशिश करती है।लेकिन, देशव्यापी एनआरसी करवाए जाने के प्रस्ताव की यह कट्टर विरोधी है।

बॉम्बे हाईकोर्ट का 13 साल पुराना फैसला

भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। विदेश मंत्रालय के इस बयान पर बहस छिड़ गई है कि आखिर किन सरकारी दस्तावेजों को भारतीय नागरिकता के प्रूफ के रूप में माना जा सकता है। दरअसल, पासपोर्ट सेवा दिवस के 14वें अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पासपोर्ट विदेश में भारतीयों की राष्ट्रीयता को प्रमाणित करता है, लेकिन इसे नागरिकता दस्तावेज के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। अधिकारी ने इस बात पर

फोकस किया कि पासपोर्ट जारी होने से भारतीय नागरिकों को मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं जैसी सुविधाओं का लाभ नहीं मिलता। एक ओर इस फैसले को लेकर जावेद अख्तर और आदित्य ठाकरे जैसी प्रमुख हस्तियों सहित विपक्ष ने इसे सरकार की बेतूका बताया है और पुलिस सत्यापन प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए हैं। वहीं दूसरी ओर सरकारी सूत्रों और कानूनी विशेषज्ञों ने 1967 के पासपोर्ट अधिनियम और 1955 के नागरिकता अधिनियम का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि सिर्फ जन्म प्रमाण पत्र या नागरिकता प्रमाण पत्र ही भारतीय नागरिकता की एक मात्र पुख्ता और कानूनी प्रमाण है। पुरस्कार विजेता गीतकार जावेद अख्तर ने विदेश मंत्रालय के रुख को बेतुका बताया और सरकार द्वारा पासपोर्ट जारी करने के तर्क पर सवाल उठाया, क्या वह इस बात से आश्वस्त नहीं है कि पासपोर्ट धारक वास्तव में भारतीय नागरिक नहीं है?

तब बिना किसी आपत्ति के एनआरसी को स्वीकार करें : बीएल संतोष

मोदी सरकार पर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर बीजेपी के महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने बहुत ही जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का जिक्र कर पार्टी की दुखती रग पर हाथ रखने की कोशिश की है। तब बिना किसी आपत्ति के एनआरसी को स्वीकार करें... आपके पास एक ही दस्तावेज होगा। तब बोलेंगे कि कागज नहीं दिखाएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कब बुझेगी भ्रष्टाचार की ये भयानक आग

> **"लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा।**

लखनऊ अग्निकांड ने ये साबित कर दिया भ्रष्टाचार और मिलीभगत की जड़ें इतनी गहरी हैं कि नियम केवल फाइलों में रह जाते हैं जबकि जमीन पर अवैधता का साम्राज्य खड़ा हो जाता है। देश का शहरी विकास मॉडल भी इस समस्या के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। आज अधिकांश शहरों में अधिक से अधिक लाभ कमाने की होड़ लगी हुई है। बिल्डर अतिरिक्त मंजिलें जोड़ देते हैं, सेटबैक क्षेत्र को कवर कर लेते हैं, बेसमेंट का उपयोग अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए करते हैं और आपातकालीन निकास को स्टोर रूम में बदल देते हैं। बदले में कुछ अधिकारियों की जेबें गर्म हो जाती हैं और फाइलों में सब कुछ वैध दिखाई देने लगता है। नतीजा यह होता है कि एक पूरी इमारत धीरे-धीरे मौत के जाल में बदल जाती है और किसी दिन एक चिंगारी सैंकड़ों परिवारों की खुशियां छीन लेती है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी इमारतें अस्तित्व में आती कैसे हैं? क्या नगर निगम, विकास प्राधिकरण, फायर विभाग, बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं होती? कोई भी अवैध निर्माण रातों-रात खड़ा नहीं हो जाता।

उसकी नींव पड़ती है, दीवारें खड़ी होती हैं, मंजिलें बनती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन दिए जाते हैं और फिर वहां व्यावसायिक गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में अनेक विभाग शामिल होते हैं। लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में 15 छात्रों की दर्दनाक मौत उस व्यवस्था के चेहरे से नकाब हटाने वाली त्रासदी है, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के सहारे चल रही है। जिन बच्चों को उनके माता-पिता बेहतर भविष्य के सपने लेकर कोचिंग भेजते हैं, वे यदि धुएं से भरे कमरों, बंद दरवाजों और अवैध निर्माणों के बीच दम तोड़ दें तो उसे केवल हादसा कहना सच्चाई से मुंह मोड़ना होगा। यह उन परिस्थितियों में हुई मौत है, जिसे रोका जा सकता था, टाला जा सकता था और जिसकी जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वास्तव में हादसा था या फिर भ्रष्ट व्यवस्था द्वारा किया गया एक सुनियोजित प्रशासनिक हत्याकांड? घटना के विवरण किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। आग लगने के बाद छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। कुछ तीसरी मंजिल से नीचे कूद गए, कुछ बाथरूम में छिप गए, यह सोचकर कि शायद वहां धुएं से बच सकेंगे लेकिन दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आधुनिक तकनीक और मजबूत इरादे रोकेंगे घुसपैठ

मधुरेंद्र सिन्हा

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बहुत लंबी हैं और वे छह देशों से लगी हुई हैं। इनमें कई जगहों पर सेना तथा अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। जैसे कि पाकिस्तान से लगती सीमा। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा 3,323 किलोमीटर लंबी है और इसकी देखभाल के लिए मुख्य तौर पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है और जहां जंग जैसे हालात हैं वहां भारतीय सेना अपनी पूरी क्षमता के साथ तैनात है । लेकिन पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश सीमा एक सिरदर्द बन गई है क्योंकि वहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने लगी थी। लाखों की तादाद में घुसपैठिये भारत में खासकर बंगाल और असम में आ घुसे। इन्हें रोकना एक चुनौती रही क्योंकि भारत-बांग्लादेश की सीमा बहुत लंबी यानी 4096 किलोमीटर की है जो पांच राज्यों को छूती है। इनमें कई जगहों पर न तो बाड़ है और न ही तार। इसका फायदा उठाकर घुसपैठिये भारत में आसानी से घुसते रहे हैं। अब जबकि बंगाल में भाजपा आ गई है तो सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है।

बंगाल की तत्कालीन सरकार ने घुसपैठियों को रोकने तथा देश की रक्षा के इस महती प्रयास में जरा भी साथ नहीं दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि उन इलाकों में स्थानीय लोगों की तुलना में बाहरी लोग खासकर बंगाल में बांग्लादेशी बहुत बड़ी संख्या में बढ़े हैं। जनसंख्या में यह भारी बदलाव देश की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा बनकर उभरा है। घुसपैठियों के आने से कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं और एक खास समुदाय के लोगों की आबादी अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है। दरअसल, जनसंख्या में यह बदलाव स्वाभाविक नहीं है बल्कि जानबूझकर और एक रणनीति के तहत अवैध तरीके से हुआ है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इस मुद्दे को गृह मंत्रालय ने प्रमुखता से न केवल उठाया बल्कि इसके समाधान के लिए भी बड़े कदमों की घोषणा की तथा उन्हें कार्यान्वित करवाना शुरू कर दिया है। इसके लिए पारंपरिक तरीकों की बजाय डिजिटल टेक्नोलॉजी और कुशल मैनेजमेंट प्रणाली का सहारा लिया जायेगा ताकि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वालों को निकाल बाहर किया जाये।

इसी कड़ी में देश की सीमाओं को पक्का करने के लिए घोषणा की गई है कि एक देशव्यापी स्मार्ट बोर्डर प्लान परियोजना एक वर्ष में आरंभ की जायेगी। इसके जरिये सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत किया जायेगा बल्कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी

कार्रवाई की जायेगी। ताकि सीमा पार से घुसपैठ पर अंकुश लगे। इसके तहत गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। इनकी मदद से दूर बैठकर ही जाना जा सकेगा कि कहां की सीमा पर खतरा है या कहां से घुसपैठ हो रही है। इससे हमारे सशस्त्र बलों को बहुत सुविधा होगी। आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन आकाश से आसानी से निगरानी कर सकेंगे और रडार चेतावनी देंगे। बंगाल की नई सरकार ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के पास 120 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दे दी है। वहां की पिछली सरकार ने अदालत के आदेश के बावजूद उस जगह को देने से इनकार कर दिया था। इस जगह को सिलीगुड़ी कॉरिडर कहा जाता है और शत्रु देश इसमें भारी घुसपैठ करके भारत के पूर्वोत्तर को उससे अलग कर सकता है। बांग्लादेश की भारत से लंबी सीमा में से अभी 600 किलोमीटर बिना बाड़ या किसी तरह के फेंस की थी। इस गैप को बंद करने के पीछे सीमा में अवैध घुसपैठ, तस्करी, पशुओं की चोरी, अवैध धंधे वगैरह पर अंकुश लगाना है। कुछ इलाकों में तो बांग्लादेश के निवासियों ने बाड़ लगाने के काम का पुरजोर विरोध भी किया और वहां के अर्धसैनिक बल ने भी उनका साथ दिया लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सख्ती के कारण उनकी एक न चली और कंटीली तारें लगाने का काम जोर-शोर से चल रहा है।

सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्धस्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये। पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर अवैध घुसपैठिये की पहचान करेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जो भारत में रह रहे हैं। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। इस कदम से अवैध घुसपैठ को रोकने के काम को कानूनी और संस्थागत सहारा मिलेगा।

अल्फा जेनरेशन को भाती है अपनी कल्पना की उड़ान

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों राष्ट्रपति भवन में दो दिन बच्चों को कहानी सुनाने और उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला। अक्सर ऐसे कार्यक्रमों में जाना होता है जहां बहुत से बच्चे होते हैं, जिनमें दो-तीन साल के शिशु से लेकर चौदह-पंद्रह साल के बच्चे शामिल हैं। उनसे खूब बातें होती हैं। उनके साथ खेलना होता है। वे क्या पढ़ते हैं, इस बारे में भी अवश्य पूछती हूं। ये वे बच्चे हैं, जिनके माता-पिता युवा हैं। इनमें से भी बहुतों को कहानियां सुनाई हैं। आज उनके बच्चे सामने हैं, जिन्हें अल्फा जेनरेशन कहा जाता है। इस पीढ़ी के बारे में मशहूर है कि यह तो मोबाइल फोन ही हाथ में लेकर जन्मी है। यानी कि कोई भी सूचना इनके लिए नई नहीं है।

जब हैरी पॉटर ने धूम मचाई थी, उस समय एक बड़ा लेख लिखा था कि इसकी सफलता का कारण हार्श मार्केटिंग, वर्ल्ड वाइड लांच और बुक स्टोर्स को पांच हजार पार्टियां देने के अलावा, यह भी था कि पश्चिम के बच्चे, तमाम तरह के गिजमोज और तकनीक से ऊब चुके थे। उन्हें जीवन में ऐसा कुछ चाहिए था, जिससे वे रोमांचित हो सकें। एक जमाने में अपने यहां बाल साहित्य को लेकर दो धाराओं में काफी बहस होती रही है। एक धारा कहती थी कि बच्चों को राजा-रानी, परी कथाएं, जिनके पात्र सिर्फ परियां ही नहीं, राक्षस, बौने, जादूगर, कोई चलने वाला पेड़, कोई बोलने वाला बाघ आदि होते थे, सुनाई जानी चाहिए। दूसरी धारा कहती थी कि बच्चों को वे कहानियां नहीं सुनाई, पढ़ानी चाहिए, जिनमें चमत्कार हों। वे चमत्कार की तरफ झुकें। तरह-तरह के अंधविश्वास उनके मन में न घर करें। इसलिए उन्हें वे कहानियां दें, जो उनके दैनंदिन जीवन से जुड़ी हों। यानी कि यथार्थवादी हों। क्योंकि बच्चे किसी चमत्कार के जरिए जीवन में सफलता नहीं प्राप्त कर सकते। परिश्रम से ही उन्हें सफलता मिलती है। ये बात सच भी है कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं और कोई चमत्कार बच्चे को सफलता दिलवा सकता है। और ऐसा भी नहीं है कि बच्चे इन बातों को जानते नहीं हैं कि अगर पढ़ेंगे नहीं, तो सफल होना मुश्किल है।

अपनी नौकरी के दौरान पाया कि जब भी यथार्थवादी कहानियों पर अंक निकाले, उन्हें वह सफलता नहीं मिली जितनी कि राजा, रानी, वेद, पुराण, उपनिषद, कथा सरित्सागर, राजतरंगिणी, महाभारत, पंचतंत्र, हितोपदेश या ईसप की कथाओं को मिली। कई बार तो ऐसा हुआ कि ये अंक इतने बिके कि दोबारा छापने पड़े। इसके अलावा दैनंदिन जीवन की कथाएं कि बच्चों के बस्ते का बोझ कितना ज्यादा है, उन्हें पढ़ने में कितनी मेहनत करनी पड़ती है, उन्हें अपने मित्रों से किस तरह के धोखे मिलते हैं, या कि किसी गरीब बच्चे के जीवन में कितनी कठिनाइयां हैं, इन्हें आम तौर पर बच्चे सुनना नहीं चाहते। इससे ये निष्कर्ष भी निकला कि बच्चे जिन आफतों को रोजमर्रा के जीवन में भुगत रहे हैं, अगर आप उनका मनोरंजन करने आए हैं और उन्हें कहानियां भी यही सुना रहे हैं, तो वे हूट कर देते हैं। फिर जिस वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, तार्किकता को बढ़ाने आदि की बातें की जाती हैं, उनमें एक दिक्कत यह भी है कि विज्ञान प्रति पल बदलता है। आज एक खोज कुछ कहती है, तो दूसरी खोज बिल्कुल उसके विपरीत बातें करती हैं, तो आखिर किस बात को सच माना जाए। यों भी विज्ञान को किसी रूढ़ तर्क और अर्थ में बांधा भी नहीं जाना चाहिए। फिर जिन्हें परीकथा कहा जाता है, वहां भी तर्क नहीं होता, ऐसा नहीं कहा जा सकता।

जिसे फेंटेसी कहा जाता है, वहां भी किसी कहानी में अच्छाई पर बुराई की विजय नहीं दिखाई जाती। न ही यह बताया जाता है कि सच के मुकाबले झूठ बोलना कितनी अच्छी बात है या कि पर्यावरण को नष्ट करना ठीक है। अथवा किसी जीव को सताना, किसी गरीब की मदद न करना, अपने बड़ों की बात न मानना ही बढ़िया है। फेंटेसी के भी बहुत मानवीयता वाले तर्क होते हैं। अपनी यूरोप की यात्रा के दौरान बहुत से भारतीय और विदेशी बच्चों से मिली हूं। वहां भारतीय बच्चे अपने देश के मिथकीय चरित्रों जैसे कि श्रीराम, रावण, श्रीकृष्ण, दुर्योधन, बाल गणेश, काली, बाल हनुमान, मय दानव, अंगद, बाली, शिव, पार्वती, महाभारत की कथाएं, जटायु, पंचतंत्र की जानवरों की कथाएं आदि को बहुत चाव से पढ़ते मिले। जैसे ही किसी वैज्ञानिक चीज के बारे में उनसे बात की गई, वे फौरन अपना मोबाइल दिखाकर कहने लगे कि ये बात उन्हें पहले से मालूम है।

जैसे कि चांद के बारे में कहा जाता है कि वहां न आक्सीजन है, न पानी, न पेड़, पौधे, न कोई इन्सान। इसलिए इन दिनों बच्चों को चांद के बारे में यदि कोई चमत्कारिक कथा सुनाई जाए, तो वे नहीं सुनेंगे। लेकिन एक कहानी सैशन के दौरान बच्चों ने चांद के बारे में ऐसी-ऐसी परिकल्पनाएं कीं कि लगा कि वे अब भी चांद को लेकर बहुत-सी कहानियां सुन सकते हैं, बुन सकते हैं। यथार्थ में चांद कैसा है, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जिस अल्फा जेनरेशन के ये बच्चे हैं, वे यथार्थवादी कहानियों के मुकाबले, वे कहानियां सुनना, सुनाना चाहते हैं, जिनमें उन्हें अपने कल्पना के घोड़े दौड़ाने का भरपूर मौका मिले। जहां उनकी कल्पना की राह में कोई रोड़ा न अटका हो, जिनमें भरपूर एक्शन, एडवेंचर हो। ऐसी बातें हों, जो कभी देखी, सुनी न हों। इनके आसपास न हों। कुल मिलाकर फेंटेसी की वह दुनिया, जिसमें वे नायक की भूमिका या किसी योद्धा की भूमिका में हों। इस तरह की कहानियों में बच्चों के मस्तिष्क में कब, क्यों, कहां, किसलिए, अच्छा, ऐसा, वैसा, क्या ऐसा हो सकता है, आदि के तर्क चलते है ।

पैरों को गर्मियों में रखें कूल और स्टाइलिश

गर्मियों में हल्के, खुले और आरामदायक फुटवियर पहनना सबसे अच्छा माना जाता है। सैंडल, स्लाइडर्स, कॉटन सॉक्स वाले स्नीकर्स और फ्लोटर्स पैरों को पसीने, बदबू और गर्मी से बचाते हैं। सही फुटवियर न सिर्फ आराम देता है बल्कि स्टाइल को भी बेहतर बनाता है। गर्मियों के मौसम में कपड़ों के साथ-साथ फुटवियर बदलना भी बेहद जरूरी हो जाता है। तेज धूप, पसीना और उमस भरा मौसम पैरों को जल्दी थका देता है। ऐसे में अगर सही फुटवियर का चुनाव न किया जाए तो पैरों में दर्द, बदबू और स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। यही वजह है कि गर्मियों के मौसम में लोग ऐसे फुटवियर की तलाश करते हैं जो आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखें। आजकल फैशन ट्रेंड में ऐसे फुटवियर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं जो हल्के हों, ब्रीथेबल मटेरियल से बने हों और लंबे समय तक पहनने पर भी पैरों को आराम दें। खासकर युवाओं के बीच स्लाइडर्स, फ्लोटर्स, ओपन सैंडल्स और हल्के स्नीकर्स का क्रेज काफी बढ़ गया है। ये न सिर्फ कैजुअल लुक देते हैं बल्कि ट्रैवलिंग, कॉलेज, ऑफिस और डेली यूज के लिए भी परफेक्ट माने जाते हैं।

हल्के स्नीकर्स

अगर आप पूरा दिन बाहर रहते हैं या ज्यादा वॉक करते हैं तो लाइटवेट स्नीकर्स आपके लिए बेस्ट विकल्प हो सकते हैं। कॉटन या मेस मटेरियल वाले स्नीकर्स पैरों में हवा का संचार बनाए रखते हैं और गर्मी कम महसूस होती है। सफेद स्नीकर्स इस समय सबसे ज्यादा ट्रेंड में हैं क्योंकि ये लगभग हर आउटफिट के साथ अच्छे लगते हैं। और यह पैरों केलिए आरामदायक रहते हैं।

सही फुटवियर से आत्मविश्वास और स्टाइल बढ़ेगा

फुटवियर सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी बेहतर बनाते हैं। सही फुटवियर आपके पूरे लुक को बदल सकता है। ऑफिस जाने वाली कामकाजी महिलाओं, शादियों या पार्टियों में गॉर्जियस दिखने के लिए हाई हील्स पहनना बेहद पसंद होता है। हील्स पहनने से न सिर्फ पर्सनैलिटी को एक बेहतरीन लिफ्ट मिलती है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। लेकिन इस शौक की सबसे बड़ी समस्या यह है कि हील्स पहनने के महज 2 घंटे के भीतर ही पैरों और एड़ियों में असहनीय दर्द शुरू हो जाता है। इसलिए गर्मियों में हल्के रंगों और आरामदायक डिजाइनों वाले फुटवियर पहनने से आप ज्यादा आत्मविश्वास और फ्रेश महसूस करते हैं। यही वजह है कि आजकल लोग कंफर्ट और स्टाइल दोनों को ध्यान में रखकर फुटवियर चुन रहे हैं।

फुटवियर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों में फुटवियर खरीदते समय सिर्फ डिजाइन नहीं बल्कि सहजता पर भी ध्यान देना जरूरी है। हमेशा सांस लेने योग्य मटेरियल वाले फुटवियर चुनें। बहुत ज्यादा टाइट फुटवियर पहनने से पैरों में सूजन और दर्द हो सकता है। साथ ही सॉफ्ट सोल वाले फुटवियर लंबे समय तक आराम देते हैं और पैरों पर दबाव कम करते हैं।

ओपन सैंडल्स

गर्मियों में पैरों को हवा मिलना बेहद जरूरी होता है। ओपन सैंडल्स पैरों को हवादार रखते हैं और पसीना कम करते हैं। लड़कियों के लिए स्ट्रैपी सैंडल्स और लड़कों के लिए लेदर फ्लोटर्स इस सीजन में काफी ट्रेंड में हैं। इन्हें जींस, कुर्ती, शॉर्ट्स या कैजुअल आउटफिट्स के साथ आसानी से मैच किया जा सकता है।

क्योंकि सैंडल अपने आराम के लिए प्रसिद्ध हैं। वे पैरों के लिए लंबे समय तक चलने वाला आराम प्रदान करते हैं। स्टाइलिश सैंडल ने रूप और कार्य के बीच की खाई को पाट दिया है, जिससे महिलाओं को अपने फैशन का प्रदर्शन करते हुए आरामदायक बने रहने की अनुमति मिलती है। इनका एक प्रमुख लाभ यह है कि वे सांस लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। वायु परिसंचरण बंद, नम वातावरण में पनपने वाले पैरों की बीमारियों, जैसे एथलीट फुट, को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। चाहे वह चमड़े की पट्टी हो या अलंकृत विवरण, सैंडल विभिन्न अवसरों के लिए उपयुक्त शैलियों की भरमार में आते हैं। डिज़ाइन में लचीलापन उन्हें विभिन्न फैशन स्वादों में पसंदीदा बनाता है।

स्लाइडर्स

आजकल स्लाइडर्स युवाओं की पहली पसंद बन चुके हैं। क्योंकि ये पहनने में बेहद हल्के होते हैं और पैरों को आराम देते हैं। खासकर जब हम घर से बाहर छोटी दूरी के लिए जाते हैं तो ये स्लाइडर्स काफी सुविधाजनक माने जाते हैं। आज कल बाजार में कई तरह के रंगों और डिजाइनों में स्लाइडर्स उपलब्ध हैं जो समर फैशन को और भी आकर्षक बनाते हैं। और आरामदायक भी रहते हैं।

हंसना मना है

गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं, कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले, क्यूंकि मैं एक शेर कि औलाद हूं। लड़की- अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थीं।

लड़का- मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका- मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेंट विदाउट एमबीए।

कहानी | दान का खूबसूरत रूप

एक महिला ऑफिस बस से ही आती जाती थी। उस दिन भी बस काफी देर से आई, पहले से ही बस काफी भरी हुई थी। तभी एक मजदूरन ने महिला को आवाज लगाकर अपनी सीट देते हुए कहा मेडम आप यहां बैठ जाइए। महिला ने धन्यवाद देते हुए उस सीट पर बैठकर राहत की सांस ली। लेकिन मजदूरन खड़ी रही। कुछ देर बाद पास वाली सीट खाली हुई, तो महिला ने उसे बैठने का इशारा किया। तब उसने एक महिला जिसकी गोद में एक बच्चा था उसे बैठा दिया। वो मजदूरन भीड़ की धक्का-मुक्की सहते हुए एक पोल को पकड़कर खड़ी थी। थोड़ी देर बाद बच्चे वाली औरत उतर गई। तो मजदूरन ने इस बार वही सीट एक बुजुर्ग को दे दी, महिला को आश्चर्य हुआ कि हम दिन-रात बस की सीट के लिए लड़ते हैं और ये सीट मिलती है और दूसरे को दे देती है। कुछ देर बाद वो बुजुर्ग भी उतर गई तो महिला से पूछा, तुम्हें तो सीट मिल गई थी फिर भी तुमने सीट क्यों छोड़ी? तुम दिन भर ईंट-गारा ढोती हो, आराम की जरूरत तो तुम्हें भी होगी, उसने कहा, मैं भी थकती हूं। आप से पहले स्टॉप पर खड़ी थी, मेरे भी पैरों में दर्द होने लगा था।.. ..जब मैं बस में चढ़ी थी तब यही सीट खाली थी। मैंने देखा आपके पैरों में तकलीफ होने के कारण आप धीरे-धीरे बस में चढ़ी। ऐसे में मैंने अपको सीट दी। मैंने उन्हें सीट देकर ढेरो आशीर्वाद पाए। कुछ देर का सफर है मैडम जी, सीट के लिए क्या लड़ना। वैसे भी सीट को बस में ही छोड़ कर जाना है, घर तो नहीं ले जाना ना। मैं ठहरी ईंट-गारा ढोने वाली, मेरे पास क्या है, न दान करने लायक धन है, कोई पुण्य कमाने लायक करने के लिए रास्ते से कचरा हटा देती हूं, रास्ते के पत्थर बटोर देती हूं, कभी कोई पौधा लगा देती हूं। यही है मेरे पास, यही करना मुझे आता है। महिला को उसकी बातों से एक सीख मिली कि हम बड़ा कुछ नहीं कर सकते तो समाज में एक छोटा सा, नगण्य दिखने वाला कार्य तो कर ही सकते हैं। ये उन लोगों के लिए सबक है जो अपना रूतबा दिखाने, अपनी प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने और आयकर बचाने के लिए अपनी काली कमाई को दान के नाम पर खपाते हैं, मैंने उस महिला को नमन किया तथा उससे सीख ली यदि हमें समाज के लिए कुछ करना हो, तो वो दिखावे के लिए नहीं बल्कि खुद की संतुष्टि के लिए हो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

वृषभ

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

मिथुन

संतान की गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आज आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी।

कन्या

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। रोजगार मिलेगा।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

धनु

व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

मकर

लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

कुम्भ

आज कार्य में नए अनुबंध होंगे। नौकरीपेशा की कार्यस्थल पर नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर में प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी।

मीन

परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धनार्जन होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड इंडस्ट्री में होती है गुटबाजी : कुणाल खेमू

कुणाल खेमू बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो 'अलायंस' के जरिए बतौर होस्ट डेब्यू किया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने शो के कॉन्सेप्ट पर खुलकर बात की। कुणाल ने कहा कि यह शो असल जिंदगी से बहुत अलग नहीं है, क्योंकि असल जिंदगी में भी हमें सरवाइव करने के लिए कई तरह के अलायंस बनाने और तोड़ने पड़ते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बॉलीवुड में दिखने वाली गुटबाजी पर भी अपनी बात रखी और माना कि फिल्म इंडस्ट्री हमेशा सिर्फ टैलेंट के दम पर नहीं चलती। कुणाल खेमू ने कहा, 'एक परिवार तो वो होता है, जिसमें आप पैदा होते हैं और एक परिवार वो होता है, जिसे आप खुद चुनते हैं या बनाते हैं- जैसे हमारे दोस्त, जो आगे चलकर परिवार जैसे ही हो जाते हैं। और कभी-कभी तो परिवार के रिश्ते भी टिक नहीं पाते। असल में इंसानी जिंदगी का पूरा ताना-बाना ही इन गठबंधनों पर टिका है। पुराने दौर में भी अगर आप खाना जुटाने में माहिर नहीं होते थे, तो जिंदा रहने के लिए आपको दूसरों से हाथ मिलाना ही पड़ता था। साफ कहें तो लाइफ में सरवाइव करने के लिए अलायंस बेहद जरूरी हैं। बॉलीवुड में होने वाली गुटबाजी पर बात करते हुए कुणाल ने कहा, 'यह सच है कि इंडस्ट्री में कैम्प्स होते हैं। काम करने का सिर्फ यही एक तरीका नहीं है, लेकिन हर फील्ड की तरह यहां भी यह सब चलता है। आपको यह बात अच्छी लग सकती है या बुरी, पर सच यही है कि यह हमेशा रहेगा। आखिर यह इंसानी फितरत है। अगर मुझे कोई पसंद है और मैं उसके साथ काम करना चाहता हूं, तो कोई मुझे रोक नहीं सकता। हो सकता है इससे किसी दूसरे का नुकसान हो जाए, लेकिन बदकिस्मती से दुनिया ऐसे ही चलती है।' उन्होंने आगे कहा, 'पहले कैम्प्स बहुत ज्यादा होते थे, अब थोड़े कम हुए हैं क्योंकि उस दौर में कुछ गिने-चुने परिवार ही फिल्में बना रहे थे लेकिन फिर कॉर्पोरेट्स की एंट्री हुई। आज भी फिल्म बिजनेस हमेशा सिर्फ टैलेंट के दम पर तय नहीं होता। इसके पीछे कई बार ऐसा गणित काम करता है, जिसका कोई सिर-पैर ही नहीं होता। कुणाल खेमू ने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे बिना टैलेंट और बिना अच्छी कहानी की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो जाती हैं। उन्होंने कहा, 'यही वजह है कि हमने फिल्में बनाना छोड़कर प्रोजेक्ट्स बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन खुशकिस्मती से समय सब कुछ सिखा देता है। अब दर्शक ऐसी फिल्में देखने थिएटर्स में नहीं जा रहे हैं। वे साफ कह रहे हैं कि उन्हें सिर्फ बड़े प्रोजेक्ट्स नहीं, बल्कि दमदार कंटेंट चाहिए।

फिल्म राका में अल्लू अर्जुन संग जोड़ी जमायेंगी रश्मिका मंदाना

फिल्म 'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

वैरायटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी।

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है।

मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो फिल्म की शूटिंग 2026 के अंत तक पूरी हो सकती है। वहीं, रिपोर्ट्स के अनुसार, मेकर्स इसे दिसंबर 2027 में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अभी तक रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डायरेक्टर एटली की यह फिल्म पहले से ही भारत की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक मानी जा रही है, और फैंस इसके लिए काफी एक्साइटेड हैं।

डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है।

बॉलीवुड में काम करना चाहती हैं मिली बॉबी ब्राउन, कॉमेडी फिल्में करने की जताई इच्छा

मिली बॉबी ब्राउन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'एनोला होम्स 3' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह एक बार फिर मशहूर यंग डिटेक्टिव के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में एक्शन, रोमांस, ड्रामा और कॉमेडी सब कुछ है, और इसी वजह से मिली को लगता है कि वह हिंदी फिल्मों के लिए भी परफेक्ट हैं।

हाल ही में वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में मिली ने बॉलीवुड फिल्म में काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल, मैं कभी मना नहीं करूंगी। इंडिया मेरी बकेट लिस्ट में है। मैं वहां जाना चाहती हूं। मैं कुछ भी करने के लिए तैयार हूं, खासकर कॉमेडी, क्योंकि मैं एक फनी गर्ल हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह हिंदी फिल्मों में डांस करने के लिए तैयार होंगी, तो उन्होंने तुरंत हां कहा। उन्होंने खुशी-खुशी बताया, 'मुझे डांस करना बहुत पसंद है।'

मिली ने बहुत छोटी उम्र में एक्टिंग शुरू कर दी थी और उन्हें असली पहचान नेटफ्लिक्स के शो 'स्ट्रेंजर थिंग्स' से मिली, जिसमें उन्होंने 'इलेवन' का किरदार निभाया। इस रोल के बाद वह दुनिया भर में मशहूर हो गईं। इसके अलावा मिली 'गॉडजिला- किंग ऑफ द मॉन्सटर्स' और 'गॉडजिला वर्सेस कॉन्ग' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। बाद में उन्होंने 'एनोला होम्स' में लीड रोल निभाया और इस फिल्म की प्रोड्यूसर भी बनीं, जो उनके करियर का एक बड़ा कदम माना जाता है।

अजब-गजब | यह पहलवान रोज लेता था 10 ली. दूध, 6 देसी चिकन और 100 रोटी

भारत का वह पहलवान जिसे कोई हरा नहीं पाया

भारत में एक ऐसा पहलवान हुआ, जिसने बिना मॉडर्न सुविधाओं के अपनी मेहनत से पूरी दुनिया में नाम कमाया। हम बात कर रहे हैं द ग्रेट गामा पहलवान की, जिन्हें दुनिया में कोई भी नहीं हरा पाया। द ग्रेट गामा का असली नाम गुलाम मोहम्मद बक्श बट्ट था। हालांकि दुनिया उन्हें गामा पहलवान के नाम से जानती है। उनका जन्म 22 मई 1878 को पंजाब के कपूरथला जिले के जब्बोवाल गांव में हुआ था। वह एक कश्मीरी मुस्लिम परिवार से थे। उनके पिता मोहम्मद अजीज बक्श खुद भी मशहूर पहलवान थे और राजाओं के दरबार में कुश्ती लड़ते थे। जब गामा सिर्फ 6 साल के थे, तब उनके पिता का निधन हो गया। लेकिन इतनी छोटी उम्र में भी उनके अंदर पहलवानी का जुनून पैदा हो चुका था। इसके बाद उनके नाना और मामा ने उन्हें कुश्ती की बारीकियां सिखाईं और आगे बढ़ने के लिए तैयार किया।

गामा पहलवान बचपन से ही बेहद ताकतवर और मेहनती थे। कम उम्र में ही लोग उनकी ताकत देखकर हैरान हो जाते थे। धीरे-धीरे उनका नाम पूरे भारत में फैलने लगा। बाद में वह दतिया के महाराजा के दरबार में पहलवान बन गए। उनकी मेहनत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह रोज लगभग 15 घंटे तक अभ्यास करते थे। बताया जाता है कि वह हर दिन 5000 बैठक और 1500 से ज्यादा पुशअप

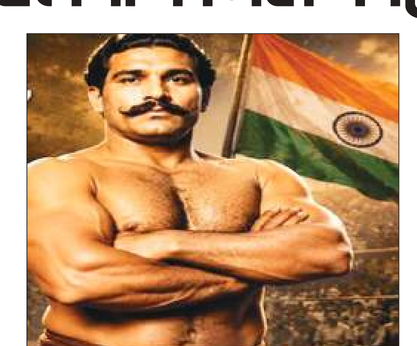

लगाते थे। इतना ही नहीं, वह 54 किलो का पत्थर गले में बांधकर दौड़ भी लगाते थे। उनका खानपान भी काफी अलग था। उनकी डाइट सुनकर आज के लोग भी हैरान रह जाते हैं। वह रोज लगभग 10 लीटर दूध, 6 देसी चिकन, आधा किलो घी, बादाम का शरबत और 100 रोटी लेते थे।

गामा पहलवान अपने 50 साल से ज्यादा लंबे करियर में कभी नहीं हारे। उन्होंने 5000 से अधिक मुकाबले लड़े और हर बार जीत हासिल की। कोई भी पहलवान उन्हें अखाड़े में हरा नहीं सका। साल 1910 में उन्होंने इंग्लैंड में पोलैंड के मशहूर रेसलर स्टानिस्लॉस ज़बिश्को को कुश्ती में हराया, जो उस समय विश्व चैंपियन माने जाते थे। इस जीत के बाद गामा पहलवान पूरी दुनिया में मशहूर हो गए। भारत लौटने के बाद उन्होंने नेशनल चैंपियन रहीम सुल्तानीवाला को भी मात दी। रहीम का कद करीब 6 फीट 9 इंच था, जबकि गामा पहलवान की लंबाई सिर्फ 5 फीट 8 इंच थी। इसके बावजूद गामा ने अपनी ताकत और फुर्ती से उन्हें चित कर दिया। इस शानदार जीत के बाद उन्हें 'रुस्तम-ए-हिन्द' का खिताब दिया गया। एक बार गामा पहलवान ने खुला चैलेंज दिया कि वह किसी भी वजन वर्ग के तीन पहलवानों को सिर्फ 30 मिनट में हरा सकते हैं। शुरुआत में कोई भी पहलवान उनके सामने आने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। बाद में अमेरिकन रेसलर बेंजामिन रोलर ने यह चुनौती स्वीकार की। गामा ने उन्हें पहली बार सिर्फ 1 मिनट 40 सेकंड में और दूसरी बार 9 मिनट 10 सेकंड में चित कर दिया। इतना ही नहीं, अगले दिन गामा पहलवान ने लगातार 12 पहलवानों को हराकर सभी को हैरान कर दिया।

ब्रुस ली भी था इनका दीवाना

दुनिया के महान मार्शल आर्टिस्ट और अभिनेता ब्रूस ली भी गामा पहलवान के बहुत बड़े दीवाने थे। उन्होंने गामा पहलवान की ट्रेनिंग और एक्सरसाइज रूटीन के बारे में पढ़ा था और उससे काफी प्रभावित हुए थे। उन्होंने गामा के 'बैठक' और 'दंड' जैसे पारंपरिक व्यायामों को अपनी रोज की ट्रेनिंग में शामिल कर लिया था। कहा जाता है कि ब्रुस ली अपनी फिटनेस और ताकत बढ़ाने के लिए रोज गामा पहलवान की एक्सरसाइज फॉलो करते थे।

भारत के इस गांव में लोग आज भी गुफाओं में रहते हैं, सदियों पुराना इतिहास कर देगा हैरान

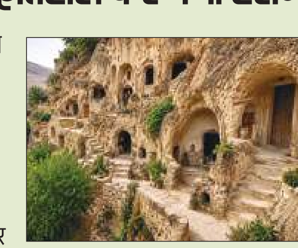

भारत अपने अनोखे गांवों और सदियों पुरानी परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। देश के कई हिस्सों में ऐसे स्थान मौजूद हैं, जहां कभी लोगों का जीवन प्राकृतिक गुफाओं या चट्टानों के बीच बनी जगह में बीतता था। इन जगहों पर रहने वाले लोग प्रकृति के बेहद करीब थे और मौसम की मार से बचने के लिए गुफाओं को ही अपना घर बना लेते थे। आज भले ही आधुनिक सुविधाओं ने लोगों की जीवनशैली बदल दी हो, लेकिन इन स्थानों की कहानी आज भी लोगों को हैरान कर देती है। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के आसपास स्थित भीमबेटका क्षेत्र इसका एक प्रमुख उदाहरण है। यहां की प्राकृतिक शैलाश्रय (रॉक शेल्टर्स) हजारों साल पुराने मानव जीवन के प्रमाण माने जाते हैं। इन गुफाओं की दीवारों पर बने प्राचीन चित्र बताते हैं कि कभी यहां इंसान रहते थे, शिकार करते थे और अपना जीवन बिताते थे। यही वजह है कि यह स्थान इतिहासकारों और पर्यटकों के लिए बेहद खास माना जाता है। भारत के कई पहाड़ी इलाकों में भी पुराने समय में लोग प्राकृतिक गुफाओं का उपयोग अस्थायी आश्रय के रूप में करते थे। कठिन मौसम, घने जंगल और सीमित संसाधनों के बीच ये गुफाएं लोगों को सुरक्षा और रहने की जगह प्रदान करती थीं। हालांकि समय के साथ गांवों का विकास हुआ और लोग पक्के घरों में बस गए। आज भी कुछ दूरदराज के इलाकों में ऐसे परिवार मिल जाते हैं, जो चट्टानों के किनारे बने प्राकृतिक आश्रयों या गुफानुमा स्थानों का सीमित उपयोग करते हैं। हालांकि यह सामान्य जीवनशैली नहीं है और ज्यादातर लोग आधुनिक घरों में ही रहते हैं। इन स्थानों को अब ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में ज्यादा देखा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि गुफाओं में रहने की परंपरा मानव सभ्यता के शुरुआती विकास को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इन गुफाओं से मिले चित्र, औजार और अन्य अवशेष बताते हैं कि हमारे पूर्वज किस तरह प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन जीते थे। आज ये ऐतिहासिक स्थल केवल पर्यटकों को आकर्षित नहीं करते, बल्कि हमें यह भी याद दिलाते हैं कि आधुनिक जीवन तक पहुंचने का सफर कितना लंबा और रोचक रहा है। प्रकृति की गोद में बसे ये प्राचीन आश्रय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

टेट पेपर लीक व शिक्षा रैंकिंग पर सियासी घमासान

हर युवा असुरक्षित, ये भविष्य की चोरी है : राहुल गांधी

कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी ने उठाया सवाल

» नेता प्रतिपक्ष बोले- देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को वसूली का तंत्र बना दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभी नीट व अन्य मामले शांत नहीं हुए है कि अब टेट व शिक्षा में भारत की रैंक को लेकर शिक्षामंत्रालय विपक्ष के निशाने पर आ गया है। बतादें महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (एमटेट) 26 को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। वहीं शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक बार फिर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की क्लास लगा दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्किल गैप बहुत ज्यादा हो गया है। नौकरी के लिए हमारे पास टैलेंट तैयार नहीं हैं। हमारे शिक्षा मंत्री किसी भी काम को करने के लिए पूरी तरह अक्षम हैं।

इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, 28 जून 26 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षा से जुड़ी नई जानकारी काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को वसूली का तंत्र बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की टेट परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का ज़रिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ़ पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है।

नौकरी के लिए भारत के पास टैलेंट तैयार नहीं : प्रियंका चतुर्वेदी

वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 26 के अनुसार वर्कफोर्स की तैयारी के मामले में भारत 74वें स्थान पर पहुंच गया है और ह्यूमन कैपिटल के मामले में 73वें स्थान पर पहुंच गया है, जो आर्थिक तेजी और नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के बीच अंतर को दिखाता है। अब इस मामले को लेकर शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को घेरा है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान को अक्षम तक करार दे दिया। उन्होंने कहा कि नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के मामले में भारत बहुत पीछे है। हमारे शिक्षा मंत्री अपने काम में अक्षम हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत में स्किल गैप (कौशल की कमी) बहुत ज्यादा है। हमारे पास एआई आधारित भविष्य का फायदा उठाने का मौका है, लेकिन हम नौकरी के लिए तैयार टैलेंट के मामले में पीछे हैं। हमारे शिक्षा मंत्री अपने काम में अक्षम हैं और हम तेजी से सुधार करने के लिए स्किल मिनिस्ट्री को काफी प्राथमिकता नहीं देते हैं।

राजस्थान में कानून व्यवस्था लचर : बेनीवाल

» चार साल के मासूम से अश्लील हरकत पर पुलिस पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। नागौर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में चार वर्षीय मासूम बच्चे के साथ कथित अश्लील हरकत का मामला सामने आने के बाद जिले में आक्रोश का माहौल है। घटना को लेकर जहां स्थानीय लोगों में नाराजगी है, वहीं मामला अब राजनीतिक तूल भी पकड़ता नजर आ रहा है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख एवं सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्थान सरकार और नागौर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जानकारी के अनुसार, 26 जून को दोपहर चार वर्षीय बच्चा अपने घर के पास खेल रहा था।

आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति उसे केले का लालच देकर अपने घर ले गया और वहां उसके साथ अश्लील हरकत की। कुछ देर बाद बच्चे की बहन मौके पर पहुंची और परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों का आरोप है कि जब वे मौके पर पहुंचे तो आरोपी ने माफी मांगते हुए मामले को दबाने के लिए पैसे देने की पेशकश की और किसी को घटना की जानकारी नहीं देने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज करने के बजाय पीड़ित परिवार पर समझौते का दबाव बनाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बेनीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के बजाय मामले को दबाने का प्रयास किया गया। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

एमडीएमके डीएमके से अब गठबंधन नहीं करेगी : वाइको

» बोले- एमडीएमकेनेता स्टालिन ने गठबंधन के साथ अन्याय किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। वाइको के नेतृत्व वाली मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) ने स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके से गठबंधन तोड़ने का फ़ैसला किया है, जिससे नौ साल पुराना गठबंधन खत्म हो गया है। यह फ़ैसला पार्टी की हाई-लेवल कमिटी की बैठक में लिया गया। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि भविष्य में चुनावी गठबंधन के बारे में फ़ैसला चुनाव के समय लिया जाएगा। पार्टी प्रमुख वाइको ने एक दिन पहले ही अपनी नाराज़गी का संकेत दे दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि गठबंधन के ढांचे के भीतर पार्टी के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया है।

पिछले महीने, वाइको ने कई बार संकेत दिए थे कि उनकी पार्टी गठबंधन से बाहर हो जाएगी। हालांकि, गठबंधन के तहत विधानसभा चुनाव लड़ने और जीतने वाले उम्मीदवारों ने इस्तीफ़ा देने से इनकार कर दिया है और ज़ोर देकर कहा है कि वे डीएमके के साथ बने रहेंगे। सिरकाज़ी के विधायक सेंथिल सेल्वम ने पार्टी की बैठक का बहिष्कार किया और एमडीएमके से इस्तीफ़ा देने की घोषणा करते हुए कहा कि वे डीएमके में शामिल होंगे। खबरों के मुताबिक, एमडीएमके विधायक और पार्टी के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी टीएम राजेंद्रन ने भी यह सीट छोड़ने से इनकार कर दिया है।

फिर दिखी लापरवाही: बिल्डिंग में भीषण आग

» विकास नगर गल्ला मंडी के पास हुई घटना में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अलीगंज कोचिंग की आग अभी ठंडी नही हुई राजधानी में अलग-अलग जगहों पर आग लगना जारी है। जिम्मेदार अब भी आंखे मूंदे हैं। बस बड़ी घटना के बाद तीन-चार दिन कुछ इमारतों को सील कर अपने कर्तव्य से इतीश्री कर ली जबकि सीएम के सख्त निर्देश हैं कि जांच अनवरत चलते रहे। रविवार को चिनहट में आग लग गई थी गनीमत नही कि कोई हताहत नहीं है। आज विकास नगर क्षेत्र स्थित गल्ला मंडी के पास एक बिल्डिंग में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने पर इंदिरा नगर, हजरतगंज और बीकेटी से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

जिसके बाद मौके पर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। घटनास्थल पर आए फायर कर्मियों ने लगभग आग पर काबू पा लिया है। घटना में कोई भी जनहानि नहीं है। लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र के नंदी बिहार स्थित एक्यूएस हाइट अपार्टमेंट के पेंटहाउस में सोमवार सुबह करीब 8 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे पेंटहाउस का कमरा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल और पुलिस ने आग पर काबू पाया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय पेंटहाउस में कुछ युवक पार्टी कर रहे थे। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवक कमरे से शराब की बोतलें और अन्य सामान लेकर मौके से भाग निकले।

रेसिडेंशियल बिल्डिंग में चला रहे होटल

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह रेजिडेंशियल है, लेकिन उसका इस्तेमाल कमर्शियल गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। आरोप है कि पेंटहाउस और कमरों को किराये पर देकर पार्टियां कराई जाती थीं।बताया जा रहा है कि पेंटहाउस तौकीर अहमद नामक व्यक्ति का है। आसपास के लोगों का आरोप है कि बिल्डिंग में लंबे समय से संदिग्ध और गलत गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इसकी शिकायत कई बार पुलिस और एलडीए से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

16 टी20 सीरीज के बाद रुका भारत की जीत का सिलसिला

» आयरलैंड ने किया उलटफेर जीती 2-0 से सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेलफास्ट। आयरलैंड ने गेंदबाजों के दम पर रोमांचक मुकाबले में भारत को दूसरे टी20 मैच में एक रन से हराया। आयरलैंड ने इस तरह टी20 की विश्व चैंपियन भारत को दो मैचों सीरीज में 2-0 से हराया। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली सीरीज थी और भारत का प्रदर्शन इसमें निराशाजनक रहा। भारत ने अगस्त 2023 से कम से कम दो मैचों की अब तक कभी कोई टी20 सीरीज नहीं गंवाई थी। आयरलैंड ने भारत का यह विजयी रथ रोक दिया। इतना ही नहीं, भारत का इस तरह लगातार 16 सीरीज जीत का सिलसिला भी रुक गया। लगातार दूसरे मैच में भारत की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। आयरलैंड के लिए भारतीय मूल के तेज गेंदबाज जय मूंदड़ा ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को आउट किया और फिर श्रेयस अय्यर को बोल्ड किया। भारत ने पावरप्ले में चार विकेट खोकर 41 रन बनाए। लगातार गिरते विकेटों के बीच तिलक ने अक्षर पटेल के साथ 39 रनों की साझेदारी की। लेकिन तिलक के आउट होने के बाद टीम बिखर गयी। हलांकि हर्षित राणा ने आखिरी ओवर में मैच का रुख पलटने की कोशिश की। भारत को जीत के लिए छह गेंदों पर 20 रन चाहिए थे। लेकिन भारत 18 रन ही बना सकी इस तरह आयरलैंड एक रन से मैच जीतने में सफल रहा।

महिला टी20 विश्वकप: ग्रूप चरण में थमा भारतीय टीम का सफर

लंदन। महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय महिला टीम का अभियान ग्रूप चरण में ही समाप्त हो गया। रविवार को लॉर्ड्स में खेले गए अपने अंतिम ग्रूप मुकाबले में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को हराकर अंतिम चार का टिकट हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ ग्रूप-ए में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की और 10 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ छह अंक जुटाए, लेकिन यह अंतिम चार में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं रहे। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने 34 रन बनाए। अंतिम ओवरों में हरमनप्रीत कौर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 27 गेंदों में 56 रन ठोक दिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से किया इंकार

» शीर्ष अदालत बोली-इतनी जल्दबाजी क्यों?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने याचिका कर्ता से सवाल पूछा कि आखिर इसमें इतनी जल्दबाजी किस बात की है. कोर्ट ने कहा कि कोर्ट खुलने के बाद तुरंत सुनवाई करेंगे, यानी अब 12 जुलाई के बाद ही मामले में सुनवाई होगी।

अधिवक्ता अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दायर याचिका में मांग की गई कि मामलें एफआईआर दर्ज की जाए और सीबीआई की अगुवाई में एक एसआईटी का गठन किया जाए, जो श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मामलों और प्रशासन से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं और अन्य कथित गड़बड़ी की जांच करे। याचिका कर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने एफआईआर या किसी आपराधिक मामले को दर्ज किए बिना ही मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें, 13 जून को राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन किया था. 23 जून को एसआईटी ने प्रारंभिक रिपोर्ट यूपी सरकार को सौंप दी है।

याचिकाकर्ता ने राम जन्मभूमि ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए

याचिका कर्ता ने राम जन्मभूमि ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन दाखिल की है. व्यक्ति ने कहा कि मामले में लगे आरोप काफी गंभीर हैं, ऐसे में जल्द सुनवाई होना जरूरी है, शख्स ने कहा कि जिस तरह से प्रशासन का रवैया रहा है, वह भी कई तरह के सवाल खड़े करता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि जल्द सुनने की जरूरत इस वजह से भी है, क्योंकि सबूत के साथ छेड़छाड़ की आशंका बनी हुई है. सुप्रीम कोर्ट ने मामले में तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है. कोर्ट ने कहा कि याचिका में फौरन सुनवाई को लेकर कोई बड़ी वजह दिखाई नहीं दे रही है।

अयोध्या के वकील चढ़ावा चोरी के आरोपियों का मुकदमा नहीं लड़ेंगे

अयोध्या बार एसोसिएशन ने सोमवार को आपातकालीन बैठक के बाद चढ़ावा चोरी के किसी भी आरोपित का मुकदमा न लड़ने का फैसला किया है। इसके साथ ही किसी के लड़ने पर उसके ऊपर बड़ा जुर्माना भी लगाया जाएगा और बार एसोसिएशन से सदस्यता भी छीनी जाएगी। अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने बैठक में कहा कि इस मामले में कोई भी वकील आरोपी का पक्ष नहीं रखेगा और अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। राममंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपितों की ओर से पैरवी करना अधिवक्ताओं को भारी पड़ेगा। इसमें उनकी सदस्यता आजीवन के लिए तो छिनेगी ही साथ ही उन पर उनके सहयोगियों समेत पांच लाख रुपये का अर्थदंड भी लगेगा। यह निर्णय सोमवार को फैजाबाद बार एसोसिएशन में आहूत आपात बैठक में लिया गया। इस बैठक में प्रकरण की सीबीआई जांच के साथ ही चंपतराय, गोपाल राव व अनिल मिश्र के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिए याचिका भी प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है। अधिवक्ताओं ने आरोपियों का मुकदमा लड़ने से इनकार किया है।

चार साल की बच्ची का रेप करने वाला भीमराव कांबले चढ़ेगा सूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरपुर में चार साल की नन्ही सी बच्ची से दरिंदगी करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के दोषी भीमराव कांबले को कोर्ट ने सजा सुना दी है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि 65 वर्षीय विनोद कांबले को फांसी पर चढ़ाया जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है। इसके लिए फांसी की सजा भी छोटी होगी, लेकिन कोर्ट के पास देने को इससे बड़ी सजा नहीं।

जानकारी के लिए बता दें कि बच्ची के रेप और मर्डर केस में सोमवार (29 जून) को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज एसआर सालुंके ने यह सजा सुनाई है। कोर्ट ने फाइनल ऑर्डर में कहा कि दोषी भीमराव कांबले फांसी का पात्र है. कोर्ट ने पूरी सुनवाई में दोषी की बर्बरता का जिक्र किया। हत्या, रेप और पॉक्सो अधिनियम के तहत उसे मृत्युदंड मिला है. फैसला सुनाने के दौरान बच्ची के परिजन कोर्ट में मौजूद थे. जज द्वारा फैसला सुनाए जाने के दौरान बच्ची का परिवार कोर्ट रूम में रोता रहा। इसी के साथ यह मामला अब तक का सबसे तेज चलने वाली कार्यवाही बना है, जिसमें दो महीने के अंदर मासूम के दरिंदे को पकड़कर उसे सूली चढ़ाने तक का फैसला सुनाया गया।

योगी जी अपराधी तो होते जा रहे बेलगाम!

» राजधानी में तीन युवक करते रहे लड़की से छेड़छाड़

» फरार दोनों युवकों की तलाश की जा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी चाहे जितना बोले कि यूपी में अपराधी डरे हुए हैं और पुलिस मुस्तैद है। पर उसके उलट हो रहा है सबकुछ। राजधानी की सड़क पर रात में बाइक से घर लौट रही लड़की से छेड़छाड़ की गई।

शेयरिंग ऑटो में सवार 3 युवकों ने उस पर कॉमेंट किया। ऑटो रुकवाकर उसके कंधे पर हाथ रख दिया। इस दौरान उससे कहा- कहां जा रही है, चल। लड़की ने इसका विरोध किया तो वे फिर से ऑटो में बैठ गए। ऑटो चल दिया तो लड़की ने ड्राइवर से कहा- रुक जाओ। इन्हें यहीं उतारो। ड्राइवर ने ऑटो रोक दिया। साथ ही तुरंत डायल-112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। यह देखते ही लड़के भागने लगे। कुछ ही मिनट में पहुंची पुलिस ने उनमें से एक युवक को पकड़ लिया और पूछताछ शुरू कर दी। घटना हजरतगंज में सिविल हॉस्पिटल के पास हुई। ऑटो ड्राइवर के अनुसार, तीनों लड़के विभूतिखंड से सवार हुए थे और रास्तेभर लोगों को गाली देते रहे।

समिट बिल्डिंग के बाहर से युवकों ने बुक करी थी ऑटो

खदरा निवासी युवती ने बताया कि वो अपने भाई के साथ 1090 की ओर से जन्मदिन कि पार्टी से लौटकर घर बाइक से जा रही थी। आरोप है कि विभूतिखंड स्थित समिट बिल्डिंग से 3 युवक भी ऑटो बुक कर उसी रास्ते से आ रहे थे और युवती को देख उसको कमेंट करने लगे जिसके बाद युवती ने जन भवन हजरतगंज के पास युवती ने ऑटो में बैठे लड़कों को रोक लिया और 112 पर काल कर पुलिस को बुला लिया जिसके बाद एक युवक को मौके से पुलिस ने पकड़ लिया

ऑटो ड्राइवर बोला- तीनों नशे में थे, सबसे गाली-गलौज कर रहे थे

ऑटो ड्राइवर कफील अहमद ने बताया- मैंने रैपिडो में ऑटो चलाता हूं। मैंने 3 लड़कों की राइड समिट बिल्डिंग के पास से उठाई। बर्लिंग्टन के आगे तक जाना था। तीनों लड़के नशे में थे। पूरे रास्ते ये लोग बदतमीजी कर रहे थे। मैंने मना किया कि आप लोग ऐसा मत करो, लेकिन ये माने नहीं। र जो भी लोग दिखते गए, उनसे ये लोग गाली-गलौज करते जा रहे थे। इनसे (लड़की से) भी बदतमीजी की। कॉमेंट किया। इस पर मैंने ऑटो रोक दिया और पुलिस बुला ली।

अभिषेक बनर्जी को हाईकोर्ट से एक और झटका, अभी नहीं जा सकेंगे विदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी को एक बार फिर कलकत्ता हाईकोर्ट से झटका लगा है। विदेश यात्रा को लेकर उनकी याचिका पर कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। पिछले हफ्ते भी उन्होंने कोर्ट से विदेश जाने की इजाजत मांगी थी और तत्काल सुनवाई की अपील की थी, तब भी कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी।

जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा था कि इस मामले में तत्काल सुनवाई की जरूरत नहीं है और नियमित समय सारणी के अनुसार ही इस पर विचार किया जाएगा. जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि इस मामले की सुनवाई के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की जाएगी। कोर्ट के नियमों के अनुसार इस आवेदन पर मामलों की सूची क्रम में और सामान्य प्रक्रिया के अनुसार सुनवाई की जाएगी। 23 जून को भी अभिषेक बनर्जी ने आंख के इलाज का हवाला देते हुए विदेश जाने को लेकर याचिका दाखिल की, सोमवार को भी उन्होंने उसी बेंच के सामने याचिका पर शीघ्र सुनवाई की अपील की. हालांकि, कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी। केंद्रीय जांच एजेंसियां और पश्चिम बंगाल पुलिस कई मामलों में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर रही है, जिसके चलते उन्हें विदेश जाने की इजाजत लेने के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ी है। कोर्ट ने बिना इजाजत विदेश यात्रा पर रोक लगाई है।

पाकिस्तान के नापाक बयान पर भारत में दिखी जुटान

करांची आंतकी हमले में भारत का हाथ होने पर बताने को लेकर पाक पर प्रहार, कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने आसिफ मुनीर लगाई लताड़, भारत सरकार ने की कड़ी आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कराची में हुए आतंकी हमले पर पाकिस्तान सेना द्वारा भारत का हाथ बताए जाने पर भारत के सभी सियासी पार्टियों ने पाक पर तीखा प्रहार किया। सबसे पुरानी पार्टी व विपक्ष की अगुवा कांग्रेस की ओर से मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। इससे पहले भारत सरकार ने भी जोरदार विरोध किया है।

भाजपा समेत अन्य पार्टी ने भी पाकिस्तान कर कड़ी आलोचना किया। बतादें पाकिस्तान के कराची में हुए आतंकी हमले का आरोप आसिम मुनीर ने भारत पर मढ़ दिया। पाकिस्तान आर्मी ने कहा कि इस हमले के पीछे भारत का हाथ है, उसके ही प्रॉक्सी संगठन जमात-उल-अहरार ने इस हमले को अंजाम दिया है, पाकिस्तान की ओर से लगाए गए इस आरोप पर कांग्रेस ने जवाब दिया है।

वे सांप उसी इंसान को डसेंगे जिसने उन्हें अपने घर में पाला है : मनीष तिवारी

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान को याद करना चाहिए, जो अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने 21 अक्टूबर 11 को पाकिस्तान की विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार से कहा था- आप अपने घर के आंगन में सांप पालकर यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे सिर्फ़ आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे, आखिरकार, वे सांप उसी इंसान को डसेंगे जिसने उन्हें अपने घर में पाला है। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि अपने अंदर झांककर देखिए और दुनिया में आतंकवाद और आतंकवादियों को भेजना बंद कीजिए. उन्होंने कहा कि डीप स्टेट का मतलब है कि असल समस्या आप लोग ही हैं।

पाकिस्तान आर्मी ने अपने बयान में ये कहा था

पाकिस्तान के डीजी आईएसपीआर ने कराची हमले को लेकर एक्स पर पोस्ट कर कहा था, 27 जून 026 को कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के कैंप पर भारत के प्रॉक्सी संगठन जमात-उल-अहरार से जुड़े ख्वारिज ने एक कायराना आतंकवादी हमला किया. कैंप के मुख्य गेट पर धमाके के बाद हमलावरों ने घेरे की सुरक्षा को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन रेंजर्स के जवानों की सतर्क और दृढ़ कार्रवाई ने उनके नापाक मंसूबों को पूरी तरह नाकाम कर दिया. उन्होंने तीन आतंकियों को मार गिराया और एक घायल को पकड़ लिया, जो अफ़गान नागरिक है। पाकिस्तान सेना ने कबूल किया कि इस मुठभेड़ में देश के तीन जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया और ड्यूटी के दौरान शहादत प्राप्त की, जबकि 4 सैनिक घायल हो गए. पाक आर्मी ने कहा, भारत-समर्थित किसी भी संगठन को खत्म करने के लिए ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं. साथ ही, पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्सेज और कानून लागू करने वाली एजेंसियों का अज़्म-ए-इस्तेहकाम विज़न के तहत आतंकवाद-विरोधी अभियान पूरी तेज़ी से जारी रहेगा, ताकि देश से विदेशी-समर्थित आतंकवाद के खतरे को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा